Rajasthan Patrika

EDII

06 December, 2021
Page No.02

आवश्यकता आविष्कार की जननी : ईडीआईआई ने दिया दिव्यांग इनोवेटर का अवार्ड

दिव्यांग समीर के इनोवेशन ने हजारों दिव्यांगों की उम्मीदों को लगाए पंख

पत्रिका सोशल प्राइड

कार में बदलाव बिना ही हाथों से चलने वाले एक्सीलेटर, ब्रेक व क्लच का किया इनोवेशन

नगेन्द्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस कहावत को अहमदाबाद निवासी दिव्यांग समीर कक्कड़ ने चरितार्थ कर दिखाया है। उन्होंने अपनी मेहनत और हुनर के बूते ऐसे इनोवेशन किए हैं, जिसकी बदौलत दिव्यांग व्यक्ति भी कार चलाने के काबिल बन जाते हैं। दोनों पैरों से विकलांग होने के चलते उन्होंने हाथों से कार की क्लच, एक्सीलेटर और हैंड ब्रेक लगाई जा सके ऐसा इनोवेशन किया है। इस इनोवेशन के जरिए हजारों दिव्यांगों की उम्मीदों को पंख लगे हैं। वे आज कार चला रहे हैं।

समीरभाई के ऐसे इनोवेशनों के चलते भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) की ओर से समीरभाई को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांग इनोवेटर का अवार्ड प्रदान किया गया है। समीरभाई बताते हैं कि वे एक साल के थे, तब पोलियो होने के चलते दोनों पैरों से विकलांग हो गए थे। वह मूलरूप से गुजरात के बनासकांठा जिले के भाभर निवासी हैं। उन्होंने जब से होश संभाला तभी से उन्हें ऑटो मोबाइल्स में काफी रुचि थी। वे विकलांग थे लेकिन चाहत थी कि वे भी कार चला सकें, लेकिन कार में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी कि दोनों पैरों से विकलांग व्यक्ति उसे चला सके। यह बात उन्हें काफी खलती थी। जिससे उन्होंने अपने खुद की वाहन चलाने की इच्छा पूरी करने के लिए इनोवेशन शुरू किए। काफी मेहनत के बाद वे कार में हाथों से ब्रेक लगाने, उसका एक्सीलेटर देने और क्लच देने की व्यवस्था करने में सफल हुए। उन्होंने देखा कि उनके जैसे और भी कई दिव्यांग वाहन चलाना चाहते हैं, जिससे उन्होंने दिव्यांगों की उम्मीदों को पंख लगाने के लिए अपने इनोवेशन को बाजार में उतारा। आज तक वे 10 हजार से भी ज्यादा दिव्यांगों को अपने इनोवेशन के जरिए कार व अन्य वाहनों चलाने के काबिल बना चुके हैं। वे 30%दिव्यांग कर्मचारियों को नौकरी पर रखते हैं। उन्होंने ऐसे भी इनोवेशन किए हैं जिससे एक हाथ और एक पैर वाला व्यक्ति भी वाहन चला सकता है।

कार में नहीं करना पड़ता कोई बदलाव

समीरभाई बताते हैं कि उनके इनोवेशन की विशेषता ये है कि कार में दिव्यांग व्यक्ति के लिए हैंड ब्रेक, हैंड एक्सीलेटर व हैंड क्लच लगवाने के लिए कार में कोई बदलाव नहीं करना पड़ता। क्योंकि ज्यादातर घरों में एक ही कार होती है। यदि उसमें बदलाव कर दिया जाए तो फिर वो अन्य लोगों के काम में नहीं आती। जिससे इसे दिव्यांग और आम व्यक्ति सभी चला सकते हैं। उनके इस इनोवेशन को ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन सोसायटी ऑफ इंडिया (एआरएआई) से मान्यता मिली हुई है।

पाकिस्तान, नेपाल से भी डिमांड

कक्कड़ बताते हैं कि एआरएआई से मान्यता प्राप्त होने के चलते उनके इनोवेशन के चलते उन्हें पाकिस्तान और नेपाल तक से अपने इस इनोवेशन के लिए ऑर्डर मिलते हैं।